



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 19, 1983/चैत्र 29, 1905
No. 1] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 19, 1983/CHAITRA 29, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचनाएं

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-III/7-82/381

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जो-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी०आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

फा०सं० 316ए/162/83-डब्ल्यू०टी० :—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या डब्ल्यू-134, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से किया जा रहा है कि
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का निर्णय :-

1. श्रीमती स्वरन कुमारी अरोड़ा, (2) श्री अनूप कुमार अरोड़ा, (3) श्री अशोक कुमार अरोड़ा, (4) श्री अनिल कुमार अरोड़ा (5) श्रीमती आशा चावला, (6) श्रीमती रीता आनन्द, (7) श्रीमती मधु मोंगा, निवासी 12/1, लिग्जसी स्ट्रीट, कलकत्ता ।

2. श्रीमती मनोरमा कोहली, निवासी डी-14, एन०डी०एस०ई०-11, नई दिल्ली ।

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

.....
.....
.....

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में

..... अग्रोहस्ताक्षरी जाना है कि

..... वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

.....

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कितने अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० डब्ल्यू-134, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली भूमि तादावी 500 वर्गगज ।

निर्देश नं० आईसेए०सी०/एक्यू०/1/एम०आर०-III/7,82/714

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTICES UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME TAX

ACT, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. . . . IAC/Acq I/SR-III/7-82/581

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I

New Delhi, the 15th April, 1983

F. 316 A/162/83-WT :—Whereas I, NARINDER SINGH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. W-134 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri/Smt./Km. Swaran Kumari Arora, Anoop Kumar Arora, Ashok Kumar Arora, Anil Kumar Arora, Mrs. Asha Chawla, Mrs. Rita Anand & Mrs. Madhu Monga, R/o 12/1, Lindsey St. Calcutta (Transferor).
- (2) Shri/Smt./Km. Mrs. Manorma Kohli, D-14, N.D.S.E.-II, New Delhi (Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km. _____, [Person(s) in occupation _____, of the property].
- (4) Shri/Smt./Km. _____, [Person(s) who this _____, undersigned knows to be] _____, interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. W-134, Greater Kailash-I, New Delhi Area 500 sq. yds.

का० सं० 316ए/162/83-बस्सू०टी० :—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सी-27 (ओल्ड) है तथा जो नया नं० सी-7, महारानी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दावे में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० हरी लाल साहू, अमृत लाल साहू (डा० ए० ए० साहू)
मार्फत श्री सी० एल० खन्ना (वकील)
निवासी 1-ए लिंक रोड, जंगपुरा, नई दिल्ली-110014 । (अन्तरक)
2. श्री सुनील सरीन,
निवासी बी-28, महारानी बाग, नई दिल्ली-110065 । (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

.....
.....
.....

4. श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके बारे में
.....अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
..... वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
.....

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष,—

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-27 (पुराना नं०) सी-7 (नया नं०)
महारानी बाग, नई दिल्ली-110065, लाटाची 800 वर्ग गज,
उत्तरी भाग वाली प्रो०—रोड 30 फीट,
पूर्वी भाग वाली प्रो०—मकान नं० सी-26 (पुराना नं०)
दक्षिणी भाग वाली प्रो०—कवर्ड ड्रेन
पश्चिमी भाग वाली प्रो०—मकान नं० सी-28 (पुराना नं०)

नरेंद्र सिंह, सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 15-4-1983

एम० सुब्रह्मनियम, अवर सचिव

मोहर:

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/7-82/714

F. No. 316 A/162/83-WT.—Whereas I, NARINDER SINGH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. C-7, Maharani Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1957)

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri/Smt./Km. Dr. Hari Lal Shah Amrit Lal Shah, (Dr. A. H. Shah) C/o Mr. C.L. Khanna, Advocate, 1-A Link Road, Jang Pura, New Delhi (Transferor).
- (2) Shri/Smt./Km. Sunil Sarin R/o B-28, Maharani Bagh, New Delhi (Transferee).
- (3) Shri/Smt./Km. _____, [Person(s) in occupation
_____, of the property]

- (4) Shri/Smt./Km., _____, [Person (s)whom the
_____, undersigned knows to be
_____, interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. C-27 (Old No.), C-7 (New No.) Maharani Bagh, New Delhi Area 800 sq. yds.

Dated 15-4-83

NARINDER SINGH, Competent Authority

Seal

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax) Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

N. SUBRAMANIAN, Addl. Secy.

